वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) मनुष्यों को नहीं एक मूर्ति को दूसरों के दुख दिखते हैं, इसमें क्या है?

(1) विडम्बना

(2) मनुष्य का स्वभाव

(3) चमत्कार

(4) मनुष्य विरोधी भाव

(ख) गौरेया सुखी राजकुमार के सानिध्य में क्या सीखती है?

(1) तरस खाना

(2) निस्वार्थ प्रेम

(3) दया करना

(4) आत्म **विश्लेषण**

(ग) मिस्र देश का बार–बार जिक्र करने से **गौरैया** के चरित्र की किस बात का पता लगता हैं?

(1) बात को टालने की प्रवृत्ति

(2) साथियों के प्रति अटूट लगाव का

(3) पर्यटन के प्रति उन्माद

(4) अनोखेपन और ऐश्वर्य के प्रति लगाव का

दीर्घ प्रश्न

प्रश्न 1 राजकुमार के जीवन काल और प्रतिमा बनने के बाद के राजकुमार के व्यक्तित्व की तुलना कीजिए और बताइये कि आपको कौन सा रूप पसंद है और क्यों?

प्रश्न 2 **गौरैया** के व्यक्तित्व में आने वाले परिवर्तन पर अपनी टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 3 सुखी राजकुमार कहानी के संवादों की **विशेषताएँ** लिखिए।

प्रश्न 4 सुखी राजकुमार कहानी का सबसे मार्मिक स्थल कौन सा है और क्यों?

प्रश्न 5 ईश्वर द्वारा राजकुमार और **गौरैया** को स्वर्ग में स्थान देने की बात से कहानीकार क्या संदेश देना चाहता है?

प्रश्न 6 सरल, संयुक्त और मिश्र वाक्यों का एक–एक उदाहरण लिखिए।

उत्तर सरल वाक्य – मोहन पढ़ रहा है।

संयुक्त वाक्य – मोहन पढ़ रहा है, किन्तु वह उत्तीर्ण नहीं हो सकता।

मिश्र वाक्य – मोहन पढ़ रहा है क्योंकि उसे उत्तीर्ण होना है।